मीन राशि

जनवरी

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य सुख अति उत्तम रहेगा, किन्तु गोचर के शनि का प्रभाव मीन राशि पर होने तथा राहु का केन्द्रिय प्रभाव पड़ने के कारण बीच-बीच में शारीरिक सुख में आंशिक कमी रहेगी। शरीर में उष्णता अधिक रहेगी। फोड़े-फुंसी तथा छाले के कारण तन-मन दोनों से पीड़ित रहेंगे। कुछ वायु-विकार सम्बन्धी दोष रहेगा। शारीरिक स्फूर्ति-तेज तथा बल में किसी प्रकार का विकार नहीं रहेगा। प्रत्येक अंग स्वस्थ, सुदृढ़ तथा रोग रहित रहेंगे। रस-रक्त-मज्जा में वृद्धि होगी। समस्त अस्थि भागों में सबलता आयेगी। कफ-पित्त-वात तीनों में किसी प्रकार की विषमता नहीं पायी जायेगी। मुखमण्डल की आभा चमकती दिखाई देगी, जिससे लोग विशेष आकर्षित रहेंगे।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। अल्प श्रम तथा कुशाग्र बुद्धि द्वारा धनागम करने में सफलता प्राप्त करेंगे। मशीनरी, विद्युत एवं इलेक्ट्रानिक कार्यों से विशेष धन की प्राप्ति होगी। इस राशि के समस्त लोग धनागमन के क्षेत्र में अग्रगण्य रहेंगे। धन के कारण किसी भी कार्य में बाधाएं नहीं आयेंगी।

पारिवारिक स्थिति- पारिवारिक स्थिति विशेष अच्छी तथा सन्तोषजनक नहीं रहेगी। परिवार में उत्तम स्नेह तथा सम्मान के पात्र बनेंगे। परिवार में धनागम तो मनोनुकूल एवं तेजी से होगा, किन्तु धन की क्षति अकस्मात् बार-बार होगा। परिवार में रोगों की अधिकता रहेगी। परिवार में आकस्मिक अप्रिय घटनाओं के कारण आर्थिक, पारिवारिक तथा सम्मान इन तीनों की क्षति होगी। पारिवारिक जनों को मिथ्या कलंक तथा अपयश मिलेगा। शत्रुओं के द्वारा कोई षड्यन्त्र रचा जायेगा जिसका दूषित प्रभाव पूरे परिवार में व्याप्त रहेगा। शत्रुओं के द्वारा धन तथा मान हानि दोनों सम्भव है।

अध्ययन- अध्ययन-अध्यापन के लिए यह मास अति उत्तम रहेगा। किसी एक ही विषय के अध्ययन से सन्तुष्टि नहीं मिलेगी। विविध ग्रन्थों के अध्ययन द्वारा प्राप्त ज्ञान से सन्तुष्टि मिलेगी। विशेषकर देववाणी भाषा का अध्ययन करके ज्ञान प्राप्त करेंगे।

फरवरी

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य उत्तम ही रहेगा। शारीरिक अवयव हृष्ट-पुष्ट रहेंगे। अस्थियों में मजबूती आयेगी। सुन्दरता में वृद्धि होगी।

मित्र- मित्रों की अधिकता से व्यस्त रहेंगे। उनके दर्शन से अति प्रसन्नता होगी। मित्रों के शारीरिक श्रम से धन लाभ भी सम्भव है।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। अर्थागम के सम्पूर्ण कार्यों से सफलता प्राप्त होगी। समस्त भौतिक सुखों का उपभोग करेंगे।

प्रतिष्ठा- उत्तम यश तथा मान-प्रतिष्ठा मिलेगी। सामाजिक तथा पारिवारिक जनों में पूजनीय रहेंगे। अतिथयों एवं मित्रों द्वारा मान-प्रतिष्ठा प्राप्त कर प्रसन्न चित्त रहेंगे।

आहार- स्वानुकूल आहार नहीं मिलेगा। सात्विक आहारों में रुचि नहीं रहेगी। तामस, तीक्ष्ण तथा उष्ण भोजन में विशेष प्रीति रहेगी, परन्तु इसे न मिलने के कारण मानसिक तथा शारीरिक वेदना बढ़ेगी।

अध्ययन- अध्ययन-अध्यापन के लिए यह मास उत्तम रहेगा। आध्यात्मिक विषयों के अध्ययन में विशेष रुचि रहेगी।

जीवनसाथी- जीवनसाथी का स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। दाम्पत्य जीवन में मधुरता तथा सामंजस्य की उत्तम स्थिति बनेगी। परस्पर प्रेम में वृद्धि रहेगी।

सन्तान- सन्तानों में शारीरिक शक्ति की अधिकता रहेगी। बल-बुद्धि-परिश्रम द्वारा धनागम करने में सफल रहेंगे। सतत् अध्ययन में रत रहने की प्रवृत्ति रहेगी।

मार्च

स्वास्थ्य- शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम ही रहेगा। पाचन क्रिया में किसी प्रकार का विकार नहीं रहेगा, जिससे रस-रक्त-मज्जा में वृद्धि होगी। समस्त अंगों में सबलता आयेगी।

मित्र- मित्रों के दर्शन से प्रसन्नता होगी। मित्रों के सानिध्य में रहकर सत्संग का सुख प्राप्त करेंगे तथा मित्रों को आर्थिक योगदान सम्भव है।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति उत्तम रहेगी। आर्थिक सम्पन्नता के कारण समस्त भौतिक सुखों का भरपूर लाभ लेंगे।

प्रतिष्ठा- मान-प्रतिष्ठा के लिए समय अच्छा रहेगा। उत्तम मान-प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी। अतिथयों एवं अपरिचित लोगों द्वारा मान-प्रतिष्ठा प्राप्त कर प्रसन्न चित्त रहेंगे।

आहार- समुचित तथा स्वानुकूल एवं रोगनाशक, बल-बुद्धि वर्धक आहार मिलने से मानसिक तथा शारीरिक सुखों का अनुभव करेंगे।

अध्ययन- अध्ययन-अध्यापन के लिए यह मास उत्तम रहेगा। अध्यात्म में विशेष रुचि रहेगी। आध्यात्मिक प्रगति की ओर अग्रसर रहेंगे।

जीवनसाथी- जीवनसाथी का स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। जीवनसाथी को प्राप्त करने की विशेष इच्छा रहेगी।

सन्तान- सन्तानों के प्रति निराशा की स्थिति आयेगी। सन्तानों में आज्ञाकारी भावों की कमी रहेगी एवं माता-पिता से मतभेद रहेगा।

अप्रैल

स्वास्थ्य- शारीरिक स्वास्थ्य अति उत्तम रहेगा। प्रत्येक अंग स्वस्थ, सुदृढ़ तथा रोग रहित रहेंगे। शारीरिक सुन्दरता में वृद्धि होगी।

मित्र- मित्रों के आगमन से अति प्रसन्नता होगी। मित्रों द्वारा आर्थिक सहयोग प्राप्त करके प्रसन्नता की अनुभूति रहेगी। मित्रों द्वारा आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति उत्तम रहेगी। सम्पन्नता के कारण समस्त कार्यों की सिद्धि करके लक्ष्य को प्राप्त करेंगे।

प्रतिष्ठा- मान-प्रतिष्ठा के लिए समय अच्छा रहेगा। पारिवारिक-सामाजिक लोगों द्वारा उत्तम मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

आहार- समुचित तथा स्वानुकूल आहार मिलने से मानसिक तथा शारीरिक सन्तुष्टि का अनुभव करेंगे।

अध्ययन- अध्ययन-अध्यापन के लिए यह मास भी उत्तम ही रहेगा। बुद्धि की प्रखरता एवं स्मरण शक्ति के द्वारा शास्त्रों-वेदों-पुराणों के ज्ञान प्राप्त करके मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि करेंगे।

जीवनसाथी- जीवनसाथी का स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। उसके कृत्यों से पारिवारिक जनों को प्रसन्नता मिलेगी। परस्पर प्रेम में वृद्धि एवं मधुरता रहेगी।

सन्तान- सन्तानों की योग्यता तथा उत्तम प्रज्ञा से माता-पिता अति प्रसन्न रहेंगे। उनके विकास में बाधा नहीं आयेगी, उनका भविष्य मार्ग निर्विघ्न रहेगा।

मई

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। रोगों के प्रति चिन्ता नहीं रहेगी। शारीरिक शक्तियों में वृद्धि का अनुभव करेंगे। शारीरिक समस्त अवयव विकार रहित ही रहेंगे।

मित्र- सतत् मित्रों के मध्य ही जीवन-यापन करेंगे। मित्रों में त्याग की भावना अधिक रहेगी। मित्रों के त्याग तथा शारीरिक श्रम द्वारा आर्थिक स्तर प्रबल करने में सफल रहेंगे।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति में धीरे-धीरे मजबूती आयेगी। आर्थिक आगम में किसी प्रकार की बाधा नहीं आयेगी। अर्थ के कारण समस्त सांसारिक सुखों का उपभोग करेगे।

प्रतिष्ठा- मान-प्रतिष्ठा के लिए समय अच्छा रहेगा। विविध गुणों की अधिकता रहेगी। वाणी में विशिष्ट रस तथा आकर्षण के कारण सर्वत्र स्तुति तथा मर्यादा के पात्र बनेंगे।

आहार- प्रसाद रूप में सात्विक तथा मन के अनुकूल आहार ग्रहण करेंगे। आहार प्राप्ति में विशेष विवेक का प्रयोग करेंगे और विशुद्ध आहार ग्रहण करेंगे।

अध्ययन- अध्ययन-अध्यापन के लिए यह मास भी उत्तम ही रहेगा। अध्ययन के प्रति सर्वदा प्रयत्नशील रहकर ज्ञान प्राप्त करने में लगे रहेंगे।

जीवनसाथी- जीवनसाथी का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। जीवनसाथी के क्रोधावेग के कारण सामंजस्य का अभाव रहेगा।

सन्तान- सन्तानों में विकास की भावना रहेगी। सन्तानों की योग्यता तथा उत्तम प्रज्ञा से माता-पिता अति प्रसन्न रहेंगे।

जून

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य सुख कुछ विकारयुक्त रहेगा। शारीरिक उष्णता बढ़ती जायेगी। पाचन क्रिया की गड़बडी के कारण मानसिक विकलता बढ़ेगी। औषधियों तथा सात्विक आहार द्वारा उत्तम स्वास्थ्य प्राप्त करने में सफल रहेंगे।

मित्र- इस माह में भी सतत् मित्रों के मध्य ही जीवन-यापन करेंगे। मित्रों में त्याग की भावना अधिक रहेगी। मित्रों के त्याग तथा शारीरिक श्रम द्वारा आर्थिक स्तर प्रबल करने में सफल रहेंगे। मित्रों के स्वागतार्थ विशेष धन व्यय होगा।

आर्थिक स्थिति- इस माह में भी आर्थिक स्थिति में मजबूती आयेगी। बिना संकल्प के भी मनोनुकूल धन प्राप्त करेंगे। समस्त भौतिक सुखों का उपभोग करेगे।

प्रतिष्ठा- मान-प्रतिष्ठा के लिए समय अच्छा रहेगा। मान-प्रतिष्ठा में कमी नहीं आयेगी। पारिवारिक-सामाजिक लोगों द्वारा उत्तम मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

आहार- तामसिक आहारों में रुचि रहेगी। तामस, तीक्ष्ण तथा उष्ण भोजन में विशेष प्रीति रहेगी, जिसके कारण मानसिक तथा शारीरिक विकास में अवरोध की स्थिति आयेगी।

अध्ययन- अध्ययन-अध्यापन के लिए यह मास भी उत्तम ही रहेगा। स्मरण शक्ति की प्रबलता के कारण अध्ययन किए गये विषयों को सरलता से कण्ठस्थ करने में सफल रहेंगे।

जीवनसाथी- जीवनसाथी का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। वह प्रिय तथा प्रिय बोलने वाली भी रहेगी। दाम्पत्य जीवन में स्नेह तथा सामंजस्य रहेगा।

सन्तान- सन्तानों का विकास शीघ्र ही होगा। उनके आचार-विचार-सदाचार से पारिवारिक जनों के साथ माता-पिता को भी आत्मसन्तुष्टि मिलेगी।

जुलाई

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य सुख उत्तम रहेगा। नियम-संयम एवं औषधियों द्वारा रोगों का नाश करने में सक्षम रहेंगे। शारीरिक सौन्दर्यता एवं स्थूलता में वृद्धि होगी।

मित्र- विविध मित्रों से सम्बन्ध स्थापित करेंगे। मित्रों में सच्चाई की भावना रहेगी। मित्रों की सक्रियता तथा परिश्रम से आर्थिक विकास करेंगे।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति अति उत्तम रहेगी। बिना प्रयास तथा परिश्रम के धन की वर्षा होगी। अर्थ के कारण संकल्पित सम्पूर्ण इच्छाएं पूर्ण होंगी।

प्रतिष्ठा- मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सदाचार के द्वारा सर्वत्र प्रतिष्ठा के भागी बनेंगे।

आहार- विशुद्ध तथा मन के अनुकूल आहार ग्रहण करके मानसिक तथा शारीरिक सन्तुष्टि का अनुभव करेंगे।

अध्ययन- अध्ययन-अध्यापन के प्रति रुचि रहेगी। अधिकाधिक अध्ययन में रत रहकर ज्ञान प्राप्ति में सफल रहेंगे।

जीवनसाथी- जीवनसाथी स्वस्थ रहेगी। कायिक-वाचिक-मानसिक तीनों प्रकार से पति सेवा में तत्पर रहेगी। दाम्पत्य जीवन में सामंजस्य बना रहेगा और परस्पर प्रेम वृद्धि रहेगी।

सन्तान- सन्तानों में माता-पिता के प्रति श्रद्धा एवं निष्ठा रहेगी। सरलता से सन्तानों का भाग्योदय होगा।

अगस्त

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। नियम-संयम एवं आहार के कारण स्वास्थ्य विपरीत नहीं होगा। शारीरिक सौन्दर्यता में वृद्धि होगी।

मित्र- मित्रों के दर्शन से अपार प्रसन्नता होगी। उनके मध्य ही जीवन-यापन करेंगे। मित्रों में त्याग की भावना अधिक रहेगी। मित्रों के त्याग तथा शारीरिक श्रम द्वारा आर्थिक स्तर प्रबल करने में सफल रहेंगे।

आर्थिक स्थिति- इस माह में आर्थिक स्थिति में मजबूती आयेगी। अर्थ के प्रति किए गये समस्त प्रयोजनों में धीरे-धीरे सफलता प्राप्त करेंगे। समस्त भौतिक सुखों की प्राप्ति करेंगे।

प्रतिष्ठा- मान-प्रतिष्ठा के लिए समय अच्छा रहेगा। सर्वत्र उत्तम सम्मान के पात्र बनेंगे।

आहार- इस माह में भी तामसिक आहारों में रुचि रहेगी। तामस, तीक्ष्ण तथा उष्ण भोजन में विशेष प्रीति रहेगी, जिसके कारण मानसिक तथा शारीरिक विकास में अवरोध की स्थिति आयेगी।

अध्ययन- अध्ययन-अध्यापन के लिए यह मास भी उत्तम ही रहेगा। अधिक से अधिक ज्ञानार्जन करके आत्म सन्तोष प्राप्त करेंगे।

जीवनसाथी- जीवनसाथी के साथ अच्छे सम्बन्ध रहेंगे। जीवनसाथी का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। परस्पर प्रेम में वृद्धि होगी।

सन्तान- सन्तानों का भाग्य उदय होगा। उच्च पद पाने की अभिलाषा रहेगी। बुद्धि-परिश्रम तथा यथाचित कर्मों द्वारा निहित लक्ष्यों की प्राप्ति करने में सफल होंगे।

सितम्बर

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य सुख अति उत्तम रहेगा। रस-रक्त-मज्जा की अधिकता के कारण शारीरिक सौन्दर्यता में वृद्धि होगी।

मित्र- मित्रों के दर्शन से प्रसन्नता होगी। मित्रों के साथ सहचर्य तथा सत्संग में सफलता प्राप्त कर कृतार्थ होंगे। मित्रों के त्याग तथा शारीरिक श्रम द्वारा आर्थिक स्तर प्रबल करने में सफल रहेंगे।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति सुदृढ़ तथा स्वानुकूल ही रहेगी। किसी भी कार्य को व्यापारिक दृष्टिकोण से ही करेंगे।

प्रतिष्ठा- उत्तम आचरण तथा न्याय-धर्म के कारण सर्वत्र एवं समस्त लोगों द्वारा मान-प्रतिष्ठा के भागी बनेंगे।

आहार- सात्विक तथा मनोनुकूल आहार के कारण मानसिक प्रसन्नता बढ़ेगी एवं बुद्धि में निर्मलता तथा पवित्रता आयेगी।

अध्ययन- अनेकानेक विषयों के अध्ययन में रुचि रखेंगे। दूसरों को अध्ययन का उपदेश देकर शिक्षित बनाने में सौभाग्य समझेंगे।

जीवनसाथी- जीवनसाथी का स्वास्थ्य एवं स्वभाव दोनों ही अच्छा रहेगा। परस्पर स्नेह तथा सामंजस्य में वृद्धि होगी।

सन्तान- सन्तानों में साधना की प्रवृत्ति जागृत होगी। परिवार, समाज तथा लोक में सम्मान प्राप्त करेंगे।

अक्टूबर

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य में वृद्धि होगी। शारीरिक उष्णता के कारण कभी-कभी व्रण तथा फुंसियों के प्रकोप से पीड़ित रहेंगे। बिना औषधि के ही रोगों का निदान सम्भव होगा।

मित्र- मित्रों के दर्शन से अति प्रसन्न रहेंगे। मित्रों के सहयोग तथा विवेक द्वारा अभिलाषित प्रयोजनों की पूर्ति करने में दक्षता का परिचय देंगे। मित्रों के सहयोग से आर्थिक क्षेत्र में सफलता प्राप्त करेंगे।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति उत्तम रहेगी, इसमें कोई बाधा नहीं आयेगी। आय के विविध साधन बनेंगे। धन की अधिकता के कारण समस्त प्रयोजनों को सिद्ध करके उत्तम ख्याति प्राप्त करेंगे।

प्रतिष्ठा- मान-प्रतिष्ठा में अकथनीय सफलता मिलेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ती ही रहेगी।

आहार- उत्तम एवं बल-बुद्धि वर्धक आहार ग्रहण करके शारीरिक सुख प्राप्त करेंगे।

अध्ययन- अध्ययन-अध्यापन के कार्यों में प्रसन्नता रहेगी। अध्यात्म के रहस्यों को जानना ही मुख्य ध्येय रहेगा।

जीवनसाथी- जीवनसाथी का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। परस्पर प्रेम में स्थिरता आयेगी। उत्तम गृहिणी के रूप में परिवार में पूजा होगी।

सन्तान- सन्तानों में धर्म की प्रधानता रहेगी। संस्कारमय जीवन व्यतीत करेंगे। माता-पिता की आज्ञाओं का पालन करेंगे।

नवम्बर

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य सुख अच्छा नहीं रहेगा। शीत-गर्म के मिश्रण से शरीर में पीड़ा तथा सूजन की प्रधानता रहेगी। ज्वरादि प्रकोपों का सामना करना पड़ेगा। औषधियों के सेवन से ही रोगों का निदान सम्भव होगा।

मित्र- अकस्मात् आये हुए के साथ मैत्री भाव स्थापित न करें। मित्रों द्वारा धन हानि की सम्भावना बनेगी। मित्रों से सामंजस्य नहीं रहेगा।

प्रतिष्ठा- मित्रों द्वारा अपमानित होना पड़ेगा। माता-पिता के कटु वचनों के कारण आत्मग्लानि का अनुभव करेंगे।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति उत्तम रहेगी। सहसा अनायास तथा बिना परिश्रम के अधिक धन प्राप्त होने से अति प्रसन्नता रहेगी।

आहार- पुष्टि तथा आयुष्यवर्धक पदार्थों को प्राप्त करके शारीरिक व मानसिक सबलता में वृद्धि होगी।

अध्ययन- अध्ययन-अध्यापन के लिए यह मास अच्छा रहेगा। अध्ययन-अध्यापन के कार्यों में प्रसन्नता रहेगी। प्रतिस्पर्धा की भावना से अध्ययन में उत्तम सफलता मिलेगी। स्मरण शक्ति के साथ कुशाग्र बुद्धि होने से अध्ययन के प्रत्येक क्षेत्र में सफल रहेंगे।

जीवनसाथी- जीवनसाथी का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। परस्पर प्रेम में स्थिरता आयेगी। सामंजस्य बना रहेगा। उत्तम गृहिणी के रूप में परिवार में पूजा होगी।

सन्तान- सन्तानों के मन में निर्मलता तथा पवित्रता की भावना रहेगी। परिश्रम तथा प्रतिभा के बल पर इच्छित लक्ष्य की प्रप्ति करने में सफल रहेंगे।

दिसम्बर

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य अति उत्तम रहेगा। शारीरिक उष्णता समाप्त होगी। पाचन-क्रिया ठीक रहेगी। शारीरिक सुन्दरता में निखार आयेगा।

मित्र- मित्र अनेक रहेंगे, किन्तु आपत्ति के समय में आपसे विमुख ही रहेंगे। उनमें स्वार्थ की भावना रहेगी। इसलिए मित्रों से घृणा रहेगी।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति में मजबूती रहेगी। अर्थ की प्रचुरता के कारण दान देने की प्रवृत्ति जागृत होगी और भौतिक सुखों का उपभोग करने में सक्षम रहेंगे।

प्रतिष्ठा- मित्रों को छोड़कर समाज में उत्तम मान-प्रतिष्ठा-यश की प्राप्ति होगी। माता-पिता के द्वारा सम्मान की दृष्टि से देखे जाएंगे और सामाजिक-पारिवारिक प्रतिष्ठा में कोई कमी नहीं आयेगी।

आहार- मनोनुकूल आहार न मिलने से मानसिक सन्तुष्टि में कमी रहेगी। कुछ शारीरिक विकार भी सम्भव है, पर निदान भी शीघ्र ही होगा।

अध्ययन- अध्ययन-अध्यापन के लिए यह मास अति श्रेयष्कर रहेगा। अध्यात्म, ज्योतिष तथा वेदों के अध्ययन में विशेष रुचि रहेगी।

जीवनसाथी- जीवनसाथी को कुछ शारीरिक विकार रहेगा। वायुविकार एवं धातु विकार के कारण कटि भाग में प्रबल दर्द की सम्भावना रहेगी। परस्पर प्रेम में अभाव रहेगा।

सन्तान- सन्तानों का स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। सदाचार एवं अस्तेय गुणों द्वारा सम्मानित होंगे। माता-पिता की स्थिति से आगे जाकर विकास करेंगे।

सावधानियाँ एवं उपाय

१. शीतकारक पदार्थों का सेवन करें, पर उष्ण पदार्थों का सेवन न करें।

२. क्रोध, ईर्ष्या, गर्व का परित्याग करें।

सूर्य की शान्ति के लिए- १. प्रसिद्धि, यश और प्रतिष्ठा के लिए ''**ॐ ह्रीं ह्रौं सः सूर्याय नमः**'' मन्त्र का जप कम से एक माला अवश्य करें और रविवार के दिन मदार की लकड़ी से इसी मंत्र से १०८ बार हवन करें।

२. पिता एवं पिता तुल्य लोगों का सममान करें।

शुक्र की शान्ति के लिए- १. शारीरिक सुख में वृद्धि के लिए ''ॐ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः'' मन्त्र का जप कम से एक माला प्रतिदिन अवश्य करें और शुक्रवार के दिन गूलर की लकड़ी से इसी मंत्र से १०८ बार हवन करें।

२. माता एवं माता तुल्य स्त्रियों का सम्मान करें, शुक्र की अनुकूलता प्राप्त होगी।